भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1811

27 जुलाई, 2022 को उत्तर के लिए

तरल मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन

1811. श्री हँसमुखभाई एस. पटेल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में ऑक्सीजन विशेषकर तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) के उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की कुल क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में सामान्यत: और विशेषकर सार्वजनिक क्षेत्र में एलएमओ के उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं और एलएमओ की बढ़ती मांग के अनुसार इसकी आपूर्ति के लिए क्या तकनीकी और अन्य नीतिगत उपाय किए गए हैं; और

(ग) कोविड-19 महामारी के वर्षों के दौरान देश के अस्पतालों में ऑक्सीजन जेनरेटर संयंत्रों द्वारा ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता में कुल वृद्धि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क) सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की तरल चिकित्सीय आक्सीजन (एलएमओ) उत्पादन क्षमता का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख) कोविड महामारी के दौरान देश में एलएमओ के उत्पादन को बढाने के लिए किए गए उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:

i. इस्पात कपनियों द्वारा तरल नाइट्रोजन और आर्गन का उत्पादन कम करके एलएमओ के उत्पादन को बढ़ाना।

ii. सुरक्षा भंडार 3.5 दिनों से घटाकर 0.5 दिन कर दिए जाने के परिणामस्वरूप भंडारित टैकों में लगभग 25000 मीट्रिक टन (एमटी) अतिरिक्त एलएमओ भंडारित हो गया। 27x7 आधार पर चिकित्सीय ऑक्सीजन का वितरण जिसके परिणामस्वरूप आपूर्ति लगभग 4500 एमटी/प्रतिदिन तक बढ़ गई।

iii. चिकित्सीय ऑक्सीजन का उत्पादन करने हेतु औद्योगिक गैस विनिर्मताओं के लिए लाइसेंस जारी करना।

iv. केंद्र एवं राज्य सरकारों, दोनों द्वारा नये प्रेशर स्विंग अब्जॉर्प्शन (पीएसए) संयत्रों को मंजूरी देना।

v. केन्द्र सरकार द्वारा कुल 402517 चिकित्सीय ऑक्सीजन सिलिंडर और 143397 ऑक्सीजन कान्सेन्ट्रेटर की खरीद और व्यवस्था की गई।

vi. राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा विनियम में संशोधन करके सभी मेडिकल कालेजों के लिए पीएसए संयत्र स्थापित करना अनिवार्य कर दिया गया।

(ग) अस्पतालों की आवश्यकताओं हेतु ऑक्सीजन के उत्पादन में आत्मनिर्भता को समर्थ बनाने के लिए प्रेशर स्विंग अब्जॉपर्शन (पीएसए) संयंत्र स्थापित किए गए जिससे देश भर में चिकित्सा ऑक्सीजन आपूर्ति ग्रिड पर पड़ने वाला भार घटा। देश में कुल 4115 पीएसए संयंत्र चालू किए गए। भारत सरकार ने पीएम-केयर्स के अंतर्गत 1225 पीएसए संयंत्रों को स्थापित एवं प्रचालित करके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) को सहयोग प्रदान किया।

देश भर में चालू पीएसए संयंत्रों का विवरण निम्नवत है:-

स्रोत	**चालू किए गए पीएसए संयंत्रों की संख्या**	**ऑक्सीजन क्षमता (एमटी में)**
पीएम केयर्स	1225	1929
केन्द्र सरकार के पीएसयू	278	335
विदेशी सहायता	49	26
राज्य/सीएसआर पहलें	2563	2465
कुल	**4115**	**4755**

[स्रोत:- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय]

*****

अनुलग्लक -I

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की एलएमओ उत्पादन क्षमता
(दिसम्बर '21 तक की स्थिति के अनुसार)

इस्पात संयंत्र	एलएमओ उत्पादन क्षमता (मीट्रिक टन में)
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	1136
राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)	130
टाटा जमशेदपुर लिंडे	453
टाटा जमशेदपुर एयरवाटर	150
टाटा कलिंगनगर	219
टाटा बीएसएल	244
जेएसएल हिसार	9.5
जेएसएल जाजपुर	52
एएमएनएस हजीरा (आईएनओएक्स)	230
एएमएनएस हजीरा एएसयू	10
जेएसडब्लयू बेल्लारी, बेलॉस्की	106
जेएसडब्लयू बेल्लारी, लिंडे	537
जेएसडब्लयू बेल्लारी, एयरवाटर	100
जेएसडब्लयू बेल्लारी, आईजीपीएल	130
जेएसडब्लयू, डोल्वी	304
जेएसडब्लयू, सेलम	17
जेएसडब्लयू, अंगुल	100
वेदान्ता ईएसएल, बोकारो	20
जेएसडब्लयू बीपीएसएल, झारसुगुडा	25
कल्याणी स्टील, हॉस्पेट	130
कुल	4102

*****